समय की आवाज़

सं. कर्मेन्दु शिशिर

34138

Scanned by TapScanner

अनुक्रम

अपनी बात		11
शमशेर बहादुर सिंह	वह, माँ और बच्चा, झपकी	25
नागार्जुन	कविता, खिचड़ी विप्लव देखा हमने, पीपल के पत्तों पर फिसल रही चाँदनी, चौथी पीढ़ी का प्रतिनिधित्व, शिखरों पर	30
केदारनाथ अग्रवाल	बादल बिजली की रात, रामेश्वरम् के तट पर, और का और मेरा दिन, अपनी बात	35
शील	दो कविताएँ	38
त्रिलोचन	नई पढ़ाई, पेड़, मनुज मरा नहीं, यह सुगंध मेरी है	39
कुँवरनारायण	हँसी, पक्की सड़क के किनारे	43
रघुवीर सहाय	अखबार वाला	45
मलय	पानी	46
केदारनाथ सिंह	आवाज़, दीवार, मुक्ति, संतरा	49
विजेन्द्र	एक कविता	53
आग्नेय	एक नागरिक की मौत, यह सच है, कवि से	57
कुमार विकल	विपाशा, पहचान, एक छोटी सी शिकायत तक, घर वापसी	60
चंद्रकांत देवताले	बालम ककड़ी बेचने वाली लड़कियाँ	67
धूमिल	मैमन सिंह	72
सोमदत्त	क्रागुएवात्स में पूरे स्कूल के साथ तीसरी क्लास की परीक्षा	75

Scanned by TapScanner

नरेश सक्सेना	पृथ्वी क्या तुम कोई स्त्री हो, रोशनी, धातुएँ, दांतों के कीड़े, ईंटें	82
भगवत रावत	खुद ही अपनी माँ	88
विष्णु खरे	वापस, गूँगा	91
इब्बार रब्बी	दफ्तर में खिलौना	96
वेणु गोपाल	जवाब देना है, देखना और सुनना, दाँव लग चुके हैं	98
लीलाधर जगूड़ी	प्रस्थान, मोड़, बचपन का दस्तख़त	101
नीलाभ	छोटी चीजें, कुएँ की जगत और कोई रस्सी	105
पूर्णचंद्र रथ	शब्द	107
राजेश जोशी	प्लेटफार्म पर, कुछ पुरानी चीज़ों के पक्ष में, दो नन्हें मोजे, दो पंक्तियों के बीच, पानी की आवाज़	109
सुदीप बनर्जी	भूमण्डलीकरण इस भोपाल में, नज़रअंदाज होना ही कवच है	115
विनोदकुमार श्रीवास्तव	गेंद, चक्रवात के समय	117
ऋतुराज	सिर्फ बचाव में, वह, कुल्हाड़ी	120
मंगलेश डबराल	सबसे अच्छी तारीख़, आवाज़ें, तानाशाह कहता है, अमीर खाँ, दृश्य	125
वीरेन डंगवाल	रामसिंह	131
आलोक धन्वा	एक कविता, कपड़े के जूते, किसने बचाया मेरी आत्मा को	134
ओम भारती	कमीजें	140
नरेन्द्र जैन	बचपन, कथावस्तु	142
नवीन सागर	दो कविताएँ	144
ज्ञानेन्द्रपति	अकेले वृक्ष के साथ अकेले, बरसों सूना पड़ा रहा उनका घर, पुरी : मंदिर	147
विजय कुमार	हम किस बात की प्रतीक्षा करते हैं	151
कुबेरदत्त	बताओ हेलेना	155

Scanned by TapScanner

विष्णुदत्त	भाई की चिट्ठी, संसार बदल जायेगा, फालतू चीज, प्रतियोगिता	158
अनिल श्रीवास्तव	वृंदावन की गलियों में एक युवा विधवा	162
हरीशचंद पाण्डेय	हिजड़े	164
अजीत चौधरी	एक दिन उसका बेटा बोला, इंतनी सुंदर धरती	166
लीलाधर मंडलोई	कितने घावों का दर्द कितनी बेचैनी, एक लोरी है मृत्यु के बाद	168
अरुण कमल	कॉलेज का अंतिम दिन, उर्वर प्रदेश, झड़ना, इच्छा, जैसे	170
मदन कश्यप	स्त्रियों का रोना, गोरी सोई सेज पर	175
असद ज़ैदी	संस्कार, संगीत के रहते, सरलता के बारे में	178
स्वप्निल श्रीवास्तव	वाहे गुरू मेरी अर्ज़ कबूल कर लो, अन्नपूर्णा माँ	181
अग्निशेखर	पर्वतारोही, गलियाँ	184
सुधीर सक्सेना	विनायक	187
विनोद दास	पंजाब 1984, बेरोजगार	189
शरद बिल्लौरे	यात्रा, मैं और दोस्त	192
कुमार अंबुज	परछाईं, रात तीन बजे	194
अष्टभुजा शुक्ल	यदि... तो...	198
नवल शुक्ल	एक कविता	200
आलोक वर्मा	धीरे-धीरे	202
अनूप सेठी	दर्जिन	204
देवीप्रसाद मिश्र	जमीन की तरह हम, बेचैन आदमी के अधूरे काम	206
संजय चतुर्वेदी	पतंग	208
कात्यायनी	इंक़लाब के बारे में, हत्यारा	210
विमल कुमार	दीवार, पाताल का आदमी	213

Scanned by TapScanner

निलय उपाध्याय	कटौती, इस बार छठ में...	215
एकांत श्रीवास्तव	बीज की आवाज़ पर, पसेर झड़ाने वाली स्त्रियाँ	218
मोहन राणा	मिट्टी	221
अरुण आदित्य	झूठ के बारे में	223
हेमंत कुकरेती	करवाचौथ	225
राजीव सभरवाल	छोटे घरों में रहने वाले लोग	227
प्रमोद कौंसवाल	रास्ते	228
बोधिसत्व	आसान नहीं है, घुमन्ता-फिरन्ता	230
मनोज मेहता	खैनी	232
बद्रीनारायण	माँ	233
प्रेमरंजन अनिमेष	छाता	235
संजय कुंदन	आज का दिन	236
प्रतापराव कदम	कौओं के बारे में	238
निरंजन श्रोत्रिय	आग	239
महाराजकृष्ण संतोषी	वे दिन कितने अच्छे	240
कवि परिचय		241

Scanned by TapScanner